332

उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम

चित्रकला

सिद्धांत

1

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

ए-24-25, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर- 62, नोएडा-201309 (उ.प्र.)

वेबसाइट: www.nios.ac.in, टॉल फ्री नंबर 18001809393

एनआईओएस वाटरमार्क 70 जीएसएम पेपर पर मुद्रित।

© राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

पुनर्मुद्रण : दिसंबर, 2023 (18,000 प्रतियाँ)

सचिव, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा-201309 द्वारा प्रकाशित एवं मैसर्स एजुकेशनल स्टोर्स, एस-5, बुल्ड रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, आरटीओ ऑफिस के पास, साइट-1, गाजियाबाद द्वारा मुद्रित।

सलाहकार समिति

प्रो. सरोज शर्मा
अध्यक्ष
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उ.प्र.)

डॉ. राजीव कुमार सिंह
निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उ.प्र.)

डॉ. संध्या कुमार
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उ.प्र.)

पाठ्यक्रम समिति

प्रो. पवन सुधीर
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
कला एवं सौंदर्य शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

डॉ. ज्योत्स्ना तिवारी
प्रोफेसर
कला एवं सौंदर्य शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

श्री सतीश शर्मा
निदेशक, शिल्प भारती
ललित कला एवं शिल्प संस्थान
साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली

डॉ. नमन आहूजा
सह आचार्य
जे.एन.यू., दिल्ली

डॉ. सर्बदमन मिश्र
सह-आचार्य
शासकीय कॉलेज अजमेर
अजमेर

श्रीमती बीनू चौधरी
प्रिंसिपल
नूतन मराठी सीनियर सेकेंडरी
स्कूल, नई दिल्ली

डॉ. अनिल ढेंगले सूर्या
वरिष्ठ कलाकार
गृह मंत्रालय, दिल्ली

श्री मृणमय बरना
पी.जी.टी. चित्रकला
रायसीना बंगाली स्कूल
मंदिर मार्ग, नई दिल्ली

श्रीमती अपराजिता रॉय
कला शिक्षिका, आर.पी.वी.वी
गांधी नगर, दिल्ली

डॉ. बबीता चौहान
ड्राइंग टीचर
एस.के.वी, मदनपुर खादर
नई दिल्ली

श्रीमती संचिता भट्टाचार्जी
वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी एवं
पाठ्यक्रम समन्वयक
रा.मु.वि.सं., नोएडा

पाठ लेखक

श्री मुश्ताक ख़ान
उपनिदेशक (सेवानिवृत्त)
शिल्प संग्रहालय, नई दिल्ली

श्री सतीश शर्मा
निदेशक, शिल्प भारती
ललित कला एवं शिल्प संस्थान
साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली

श्री मुकुल गर्ग
सेवानिवृत्त कला निर्देशक
विली इंडिया प्रा. लिमिटेड
दिल्ली

श्री जॉय रॉय चौधरी
पी.जी.टी. चित्रकला
वायु सेना बाल भारती
पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली

डॉ. बबीता चौहान
ड्राइंग टीचर
एस.के.वी, मदनपुर खादर
नई दिल्ली

डॉ. गीतिका गुप्ता
कला शिक्षाविद्
इंदिरापुरम, गाजियाबाद

श्री डिप्टी सिंह
ड्राइंग टीचर
सरकारी वायज़ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दिल्ली

श्रीमती अपराजिता रॉय
कला शिक्षक आर.पी.वी.वी
गांधी नगर, दिल्ली

श्रीमती बी. एम. चौधरी
अतिथि प्राध्यापक (सेवानिवृत्त)
ललित कला महाविद्यालय, नई दिल्ली

भाषा संपादक

प्रो. वाई.एस. अलोने
प्रोफेसर, दृश्य अध्ययन
स्कूल ऑफ आर्टस एंड
एस्थेटिक्स, जे.एन.यू., नई दिल्ली

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
रा.मु.वि.सं., नोएडा

डॉ. राम नारायण मीना
सहायक निदेशक (शैक्षिक)
रा.मु.वि.सं., नोएडा

श्रीमती संचिता भट्टाचार्जी
वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी एवं
पाठ्यक्रम समन्वयक
रा.मु.वि.सं., नोएडा

अनुवादक

श्री मुश्ताक ख़ान
उपनिदेशक (सेवानिवृत्त)
शिल्प संग्रहालय, नई दिल्ली

श्रीमती मधु बी जोशी
कला शिक्षाविद तथा अनुवादक
गाजियावाद उ.प्र.

टाइप सेटिंग

मैसर्स श्री कृष्णा ग्राफिक्स
दिल्ली

आपके साथ दो शब्द

प्रिय शिक्षार्थी,

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के चित्रकला के उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम में आपका स्वागत है। आशा है कि आप शिक्षा के मुक्त और दूरस्थ माध्यम में सीखने का आनंद लेंगे। चित्रकला एक दिलचस्प माध्यम है जो आपको नोट्स और लय के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करने का उपयुक्त अवसर देता है। यह पाठ्यक्रम ड्राइंग और पेटिंग में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा और आपको इसके बुनियादी ज्ञान के साथ-साथ अपने सौंदर्य बोध को विकसित करने में मदद करेगा। पाठ्यक्रम में पेंटिंग के सिद्धांत और व्यावहारिक पहलू शामिल है और परीक्षा/मूल्यांकन में क्रमश: 40 अंक और 60 अंक होंगे। विशेष रूप से आपके लिए तैयार की गई अध्ययन-सामग्री काफी रोचक और व्यापक है। इस पाठ्यक्रम को 08 मॉड्यूल में विभाजित किया गया है। यह पाठ्यक्रम प्रारंभिक, मध्यकालीन और समकालीन भारतीय और पश्चिमी कला के इतिहास पर जोर देते हुए चित्रकला के सिद्धांत, व्यावहारिक और मार्गदर्शक पुस्तक का पर्याप्त ज्ञान प्रदान करेगा। आप विभिन्न शैलियों और तकनीकों की समझ के साथ कला के क्षेत्र में विविध रूपों और रचनाओं को समझने के लिए विभिन्न व्यक्तित्वों के योगदान से भी परिचित होंगे। आप अपनी शैली विकसित करने में सक्षम होंगे। पाठ्यक्रम के लिए प्रायोगिक कक्षाएँ आपके अध्ययन स्थल पर आयोजित किए जाएँगे।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए स्वयं मंच के माध्यम से मैसिव ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) शुरू करने में खुशी हो रही है। भारत की माध्यमिक पाठ्यक्रमों के प्रमुख विषयों को एमओओसी के रूप में विकसित किया गया है। जिसमें वीडियो व्याख्यान भी शामिल है और चर्चा मंच SWAYAM पर उपलब्ध है। गुणवत्तायुक्त वीडियो तक पहुँचने के लिए आपको www.swayam.gov.in पर पंजीकरण और नामांकन करना होगा। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान ई-विद्या चैनल 10 और 12 पर दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.00 बजे (सोमवार-शुक्रवार) तक लाइव कार्यक्रम और बातचीत भी प्रसारित करता है।

हमें उम्मीद है कि आपको हमारे साथ चित्रकला सीखने में आनंद आएगा। इस पुस्तक के अंत में संलग्न फीडबैक फार्म में बेझिझक अपने सुझाव दे सकते हैं।

शुभकामनाओं सहित

पाठ्यक्रम-समिति

अध्ययन सामग्री का उपयोग कैसे करें

बधाई हो! आपने स्वयं-शिक्षार्थी होने की चुनौती स्वीकार कर ली है, एनआईओएस हर कदम पर आपके साथ है और आपको ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों की एक टीम की मदद से चित्रकला की सामग्री विकसित की है। स्वतंत्र शिक्षा का समर्थन करने वाले एक प्रारूप का पालन किया गया है। यदि आप दिए गए निर्देशों का पालन करते हैं, तो आप इस सामग्री से सर्वोतम लाभ प्राप्त करने में सक्षम होंगे। सामग्री में प्रयुक्त प्रासंगिक चिह्न आपका मार्गदर्शन करेंगे। आपकी सुविधा के लिए इन चिह्न के बारे में नीचे बताया गया है।

शीर्षक : यह भीतर की सामग्री का स्पष्ट संकेत देगा।

परिचय : यह आपको पाठ से परिचित कराएगा।

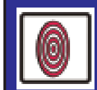

उद्‌देश्य : ये कथन बताते हैं कि पाठ पढ़कर आपसे क्या सीखने की अपेक्षा की जाती है।

टिप्पणियाँ : प्रत्येक पृष्ठ में आपके लिए महत्वपूर्ण बिंदु लिखने या नोट्स बनाने के लिए हाशिये में एक खाली जगह होती है।

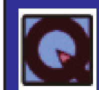

पाठगत प्रश्न : प्रत्येक अनुभाग के बाद अति लघु उत्तरीय स्व-जाँच प्रश्न पूछे जाते है, जिनके उत्तर पाठ के अंत में दिए जाते हैं। ये आपकी प्रगति की जाँच करने में आपकी सहायता करेंगे। उनका समाधान अवश्य करें। सफल समापन आपको यह निर्णय लेने की अनुमति देगा कि आग्र बढ़ना है या वापस जाकर फिर से सीखना है।

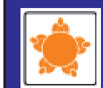

क्रियाकलाप : यह विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से सीखने का एक रचनात्मक तरीका है। आप कार्यों के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करेंगे और दिलचस्प तरीके से अवधारणाओं को सीखेंगे।

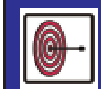

आपने क्या सीखा : यह पाठ के मुख्य बिंदुओं का सारांश है। इससे पुनः याद करने और पुनरावृत्ति में मदद करेगा।

सीखने के प्रतिफल : यह बताता है कि आपने पाठों से क्या हासिल किया है।

पाठांत प्रश्न : ये लंबे और छोटे प्रश्न होते हैं जो पूरे विषय की स्पष्ट समझ के लिए अभ्यास करने का अवसर प्रदान करते हैं।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर : इससे आपको यह जानने में मदद मिलेगी कि आपने प्रश्नों का कितना सही उत्तर दिया हैं।

विषय सामग्री पर एक विहंगम दृष्टि

मॉड्यूल 1: भारतीय चित्रकला और मूर्तिकला की ऐतिहासिक सराहना

1. भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला
2. सिंधु घाटी-सभ्यता की चित्रकला
3. अजंता एवं उत्तर-अजंता चित्रकला
4. सिंधु घाटी-सभ्यता की मूर्तिकला
5. मौर्य एवं उत्तर-मौर्यकला

मॉड्यूल 2: भारतीय चित्रकला और मूर्तिकला की ऐतिहासिक सराहना

6. मध्यकालीन चित्रकला
7. मुग़ल चित्रकला
8. पहाड़ी चित्रकला
9. दक्षिण भारतीय चित्रकला
10. कंपनी चित्रशैली
11. समकालीन कला एवं कलाकार

मॉड्यूल 3: रेखांकन और चित्रकला में उपयोग की जाने वाली विधि और सामग्री

12. भारतीय कला में फ्रैस्को एवं टेंपरा
13. सूखे माध्यमों से चित्रण एवं रेखांकन
14. भित्तिचित्र एवं छापाचित्र

मॉड्यूल 4: भारत में आदिवासी और लोक कला

15. लोक एवं आदिवासी कला

मॉड्यूल 1: प्रकृति और वस्तु-अध्ययन

1. पेंसिल और रंगों से प्रकृति चित्रण
2. छाया प्रकाश द्वारा स्थिर वस्तु-चित्रण
3. मुखाकृति चित्रण

मॉड्यूल 2: विभिन्न संरचना, पोस्टर और बनावट का निर्माण

4. संयोजन के रचनात्मक रूप
5. पोस्टर चित्रण
6. बनावट और मुद्रण का निर्माण

मॉड्यूल 3: कोलाज, ग्राफिक्स और लोककला रूपों का निर्माण

7. कोलाज चित्रण
8. आलेख आकल्पन (ग्राफिक डिजाइन) हाथ से एवं कंप्यूटर द्वारा
9. आदिवासी एवं लोककला के संदर्भ में सृजनात्मक आलेखन

1. प्रकृति का अध्ययन : पेंसिल और रंग के द्वारा
2. स्थिर वस्तु के साथ छायांकन
3. चित्रांकन/मुखाकृति चित्रण
4. संयोजन के सृजनात्मक रूप
5. पोस्टर निर्माण
6. बनावट और छपाई करना
7. कोलाज निर्माण
8. ग्राफिक डिज़ाइन-हस्त निर्मित तथा डिजिटल
9. जनजातीय और लोककला के संदर्भ में रचनात्मक डिज़ाइन

विषय-सूची

मॉड्यूल 1: भारतीय चित्रकला और मूर्तिकला की ऐतिहासिक सराहना

1. भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला 1
2. सिंधु घाटी-सभ्यता की चित्रकला 9
3. अजंता एवं उत्तर-अजंता चित्रकला 21
4. सिंधु घाटी-सभ्यता की मूर्तिकला 32
5. मौर्य एवं उत्तर-मौर्यकला 42

मॉड्यूल 2: भारतीय चित्रकला और मूर्तिकला की ऐतिहासिक सराहना

6. मध्यकालीन चित्रकला 55
7. मुग़ल चित्रकला 64
8. पहाड़ी चित्रकला 77
9. दक्षिण भारतीय चित्रकला 92
10. कंपनी चित्रशैली 103
11. समकालीन कला एवं कलाकार 112

मॉड्यूल 3: रेखांकन और चित्रकला में उपयोग की जाने वाली विधि और सामग्री

12. भारतीय कला में फ्रैस्को एवं टेंपरा 131
13. सूखे माध्यमों से चित्रण एवं रेखांकन 142
14. भित्तिचित्र एवं छापाचित्र 154

मॉड्यूल 4: भारत में आदिवासी और लोक कला

15. लोक एवं आदिवासी कला 169

- पाठ्यक्रम 185
- फीडबैक फॉर्म 191

टिप्पणी : पाठ्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया है :

(i) अनुशिक्षक अंकित मूल्यांकन-पत्र (टीएमए) के लिए पाठ

(ii) सार्वजनिक परीक्षा के प्रश्न पत्र हेतु पाठ

विभिन्न भागों का विवरण अगले पृष्ठ पर है।

पेंटिंग:(332) उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम का विभाजन (नया)		
पाठों की कुल संख्या 15		
मॉड्यूल संख्या और नाम	टीएमए 40 % पाठों की संख्या -5	सार्वजनिक परीक्षा 60 % पाठों की संख्या - 10
1. भारतीय चित्रकला और मूर्तिकला की ऐतिहासिक सराहन	**पाठ 4** सिन्धु घाटी सभ्यता की मूर्तिकला **पाठ 5** मौर्य एवं उत्तर मौर्य कला	**पाठ 1** भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला **पाठ 2** सिन्धु घाटी सभ्यता की चित्रकला **पाठ 3** अजंता एवं उत्तर अजंता की चित्रकला
2. भारत की समकालीन और लघु कला की ऐतिहासिक सराहना	**पाठ 7** मुगल चित्रकला **पाठ 9** दक्षिण भारतीय चित्रकला	**पाठ 6** मध्यकालीन चित्रकला **पाठ 8** पहाड़ी चित्रकला **पाठ 10** कंपनी चित्र शैली **पाठ 11** समकालीन कला और कलाकार
3. चित्रकला और चित्रकारी में उपयोग की जाने वाली विधि और सामाग्री	**पाठ 13** सूखे माध्यमों से चित्रण एवं रेखांकन	**पाठ 12** भारतीय कला में फ्रेस्को और टेम्पेरा **पाठ 14** भितिचित्र एवं छापाचित्र
4. भारत में आदिवासी कला और लोक कला		**पाठ 15** लोक एवं आदिवासी कला

नमूना प्रश्न पत्र देखने के लिए कृपया एनआईओएस की वेबसाइट www.nios.ac.in पर जाएं।

मॉड्यूल - 1

भारतीय चित्रकला और मूर्तिकला की ऐतिहासिक सराहना

1. भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला
2. सिंधु घाटी-सभ्यता की चित्रकला
3. अजंता एवं उत्तर-अजंता चित्रकला
4. सिंधु घाटी-सभ्यता की मूर्तिकला
5. मौर्य एवं उत्तर-मौर्यकला